दैनिक नवज्योति udaipur city - 08 Sep 2024 - Page 3

हर युवा रचनाकार में बदळाव री खिमता हुवै : प्रो चारण

राष्ट्रीय राजस्थानी युवा उच्छब कार्यक्रम

ब्यूरो नवज्योति/ उदयपुर। आज का युवा, रचनाकार राजस्थानी ज्ञान परम्परा एवं भाषा - साहित्य का भविष्य है। युवा रचनाकार को सदैव समय के साथ आधुनिक युगबोध अथवा एक नई दृष्टि से सृजन करना चाहिए। निसंदेह युवा रचनाकार एक अनूठी शक्ति का पर्याय होता है इसलिए ही 'हरेक युवा में बदळाव री खिमता हुवै'। यह विचार साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक एवं ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर डॉ. अर्जुनदेव चारण, साहित्य अकादमी नई दिल्ली एवं राजस्थानी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बप्पा रावल सभागार में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी युवा उच्छब में बतौर अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कही। उन्होंने कहा कि इस सृष्टि की गतिशीलता के लिए रस का होना आवश्यक है, रस के बिना जीवन का कोई सार नहीं इसलिए युवा रचनाकारों को अपने लेखन में रस छलकाना चाहिए। संयोजक डॉ. सुरेश सालवी ने बताया कि प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. देव कोठारी ने कहा कि राजस्थानी भाषा विश्व की समृद्ध भाषा है, मगर इसको संवैधानिक मान्यता नहीं मिलना प्रदेशवासियों का दुर्भाग्य है। मुख्य अतिथि सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति

प्रोफेसर डॉ. सुनिता मिश्रा ने कहा कि वर्तमान युवा देश का भविष्य है। इसलिए यह जरूरी है कि युवाओं को सकारात्मक कार्यों की और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

प्रथम तकनीकी सत्र - राजस्थानी के प्रतिष्ठित कवि-आलोचक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता में युवा लेखक डॉ. गौरी शंकर निमिवाल श्रीगंगानगर, महेन्द्रसिंह छायण जैसलमेर, पूनमचंद गोदारा बीकानेर एवं नंदू राजस्थानी टोंक ने राजस्थानी युवा लेखन विषय पर अपने आलोचनात्मक शोधपत्र प्रस्तुत किए।